एक नजर में

वामा साहित्य मंच की मासिक गोष्ठी आयोजित

इंदौर. वामा साहित्य मंच के निर्देशन में मासिक गोष्ठी चाय पर चुस्कियां-साथ देंगी सखियां का आयोजन किया गया. आयोजन का आरंभ सरस्वती वंदना से अर्चना पंडित ने किया. अध्यक्षीय उद्बोधन उपाध्यक्ष वैजयंती दाते ने दिया. मुख्य अतिथि के रूप में व्यंग्यकार और अपर आयुक्त आबकारी एवं प्रभारी आबकारी राज्य स्तरीय उड़नदस्ता, मध्यप्रदेश मुकेश नेमा उपस्थित रहे. श्री नेमा ने साहित्य में व्यंग्य के महत्व पर प्रकाश डाला. वामा साहित्य मंच की लेखिकाओं ने चाय के इर्द-गिर्द बुनी गई कविताओं, रोचक अनुभवों के मधुर आदान-प्रदान से रचनात्मक सहभागिता से माहौल को रंगीन बना दिया. उन्होंने चाय के विविध पहलुओं पर अपनी रचनाएं प्रस्तुत की जिसे सुनकर श्रोतागण मंत्रमुग्ध हुए. कार्यक्रम में स्वीटी टुटेजा, प्रीति दुबे, अंजना सक्सेना, करुणा प्रजापति, डॉ सुनीता दुबे, डॉ. शोभा प्रजापति, निशा देशपांडे, वंदना पुणतांबेकर, विभा भटोरे, सरला मेहता, डॉ. आराधना तिवारी, डॉ प्रतिभा जैन प्रतिम, निरुपमा वर्मा, अनुपमा गुप्ता, आशा गुप्ता, निरुपमा त्रिवेदी, गोष्ठी की संयोजक पद्मा राजेंद्र और प्रतिभा जोशी ने भी अपनी रचना से गोष्ठी में चाय की ऊर्जा को भरा। संचालन डॉ. अंजना चक्रपाणी मिश्र ने किया. वामा साहित्य मंच की सचिव स्मृति आदित्य ने आभार प्रकट किया.

प्लास्टेक एक्सपो में एमएसएमई उद्यमियों का विजिट

इंदौर. सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार की रेज़िंग एंड एक्सीलरेटिंग एमएसएमई परफॉर्मेंस (रैम्प) योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश के चयनित एमएसएमई उद्यमियों के लिए प्लास्टेक इंडिया एक्सपो, कोयंबटूर में भाग लेने हेतु एक एक्सपोज़र विजिट का आयोजन किया गया. मध्यप्रदेश लघु उद्योग निगम लिमिटेड, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग, मध्यप्रदेश शासन के अंतर्गत इस कार्यक्रम के संचालन एवं आयोजन के लिए नोडल एजेंसी के रूप में कार्य कर रहा है। इस कार्यक्रम में इंडस्ट्री पार्टनर के रूप में पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान कर रहा है. यह एक्सपोज़र विजिट 11 से 13 दिसंबर तक आयोजित की गई. इस विजिट का मुख्य उद्देश्य एमएसएमई उद्यमियों को उन्नत प्लास्टिक विनिर्माण तकनीक, मटेरियल इनोवेशन, औद्योगिक ऑटोमेशन, अत्याधुनिक मशीनरी, और आधुनिक प्रोसेसिंग प्रथाओं से अवगत कराना हैं.

एमएसएमई प्रतिनिधिमंडल द्वारा किसान एग्री शो का विजिट

इंदौर. मध्य प्रदेश के कृषि-उपकरण क्षेत्र के 28 एमएसएमई प्रतिनिधियों का एक प्रतिनिधिमंडल वर्तमान में पुणे में आयोजित किसान एग्री शो 2025 के एक्सपोज़र विज़िट में भाग ले रहा है. यह विज़िट 12 से 14 दिसंबर तक भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय की रैम्प योजना, जिसे विश्व बैंक का समर्थन प्राप्त है, के तहत आयोजित की जा रही है. मध्य प्रदेश में रैम्प योजना के क्रियान्वयन के लिए नोडल एजेंसी मध्य प्रदेश लघु उद्योग निगम, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग, मध्य प्रदेश शासन है. कार्यक्रम में पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री इंडस्ट्री पार्टनर के रूप में सहयोग प्रदान कर रहा है. इस एक्सपोज़र विज़िट का उद्देश्य कृषि-उपकरण निर्माण से जुड़े एमएसएमई इकाइयों की तकनीकी क्षमताओं, विनिर्माण प्रतिस्पर्धात्मकता और सेक्टोरल समझ को मजबूत करना है.

अमेजन बाजार ने एक वर्ष पूरा किया, ट्रांजैक्टिंग ग्राहकों में वृद्धि

इंदौर. अमेजन ने आज घोषणा की है कि उसके अल्ट्रा-अफोर्डेबिलिटी स्टोर अमेजन बाजार ने लॉन्च के एक साल के भीतर ट्रांजैक्टिंग ग्राहकों में आठ गुना वृद्धि हासिल कर ली है, जिसका प्रमुख कारण टियर 2 और टियर 3 शहरों में बढ़ती अपनाने की दर है. अमेजन बाजार फैशन, जूलरी, होम डेकोर, किचनवेयर और इलेक्ट्रॉनिक एक्सेसरीज़ जैसी कैटेगरी में 600 रुपये से कम कीमत वाले उत्पादों का बड़ा चयन प्रदान करता है. 2 करोड़ से अधिक उत्पाद पहले से ही लाइव हैं, और बाजार लगातार ग्राहकों की विविध जरूरतों और पसंद को पूरा करने के लिए नए प्रोडक्ट जोड़ रहा है,

इंदौर महानगर क्षेत्र की सीमा पर होगा आज फैसला

▶ मुख्यमंत्री करेंगे कई बड़ी घोषणाएं

नव भारत न्यूज

इंदौर. प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर के भविष्य को नई दिशा देने वाला फैसला अब अंतिम चरण में पहुंच गया है. इंदौर मेट्रोपॉलिटन एरिया की सीमा और स्वरूप को लेकर नगरीय विकास विभाग ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं. इसको लेकर रविवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जहां महानगर क्षेत्र की सीमा को लेकर फैसला लेंगे वहीं कई बड़ी घोषणाएं भी करेंगे.

सूत्रों के अनुसार 14 दिसंबर रविवार को इंदौर मेट्रोपॉलिटन एरिया की औपचारिक घोषणा की जा सकती है, जिससे शहर के आसपास के बड़े भू-भाग को एकीकृत विकास की दिशा में जोड़ा जाएगा. प्रस्तावित इंदौर मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र में इंदौर के साथ उज्जैन, देवास और धार जिलों को शामिल किए जाने की तैयारी है. इस विस्तार का उद्देश्य केवल प्रशासनिक दायरा बढ़ाना नहीं, बल्कि एक सशक्त आर्थिक और औद्योगिक कॉरिडोर विकसित करना है, जो निवेश, रोजगार और आधारभूत संरचना के लिहाज से प्रदेश को नई पहचान दिला सके. बताया जा रहा है कि रविवार 14 दिसंबर को इंदौर में होने वाली उच्चस्तरीय बैठक के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा मेट्रोपॉलिटन एरिया की सीमा घोषित की जा सकती है. इसी बैठक में शहर और आसपास के क्षेत्रों में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा भी होगी, ताकि मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र के तहत प्राथमिकताएं स्पष्ट की जा सकें. सरकार पहले ही इंदौर मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र के गठन से जुड़ा विधेयक प्रस्तुत कर चुकी है। इसके तहत नगर निगम, नगर पालिका, नगर परिषद और ग्रामीण पंचायतों को एक साझा नियोजन ढांचे में लाने की तैयारी है.

योजनाएं एकीकृत रूप से होंगी लागू

माना जा रहा है कि इस फैसले के बाद सड़क, परिवहन, आवास, उद्योग और बुनियादी सुविधाओं की योजनाएं एकीकृत रूप से लागू हो सकेंगी. इंदौर मेट्रोपॉलिटन एरिया की घोषणा को शहर के दीर्घकालिक विकास का टर्निंग प्वाइंट माना जा रहा है. इससे न केवल शहरी विस्तार को दिशा मिलेगी, बल्कि आसपास के जिलों के साथ समन्वय बनाकर इंदौर को राष्ट्रीय स्तर के आर्थिक हब के रूप में स्थापित करने की प्रक्रिया को भी गति मिलेगी.

एक दिन के लिए हमें महापौर बना दो..!

▶ प्रशासनिक ढिलाई पर कांग्रेस ने कहा...

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर में नगर निगम की कार्यप्रणाली, प्रशासनिक ढिलाई और अफसरों की जवाबदेही को लेकर सियासी पारा उस समय गरमा गया है, जब विपक्षी संगठन ने निगम के मौजूदा हालात को कटघरे में खड़ा करते हुए प्रतीकात्मक लेकिन तीखी मांग सामने रखी है, जिससे शहर के प्रशासनिक मॉडल पर बहस छिड़ गई है.

जिला कांग्रेस सेवादल ने नगर निगम में अधिकारियों की अनुपस्थिति, बैठकों में देरी और जमीनी कामकाज ठप होने का हवाला देते हुए महापौर से एक दिन के लिए जिम्मेदारी सौंपने की मांग की है. संगठन का कहना है कि यदि वास्तव में सिस्टम सक्रिय है, तो यह प्रयोग यह साबित कर देगा कि निगम के अधिकारी निर्वाचित प्रतिनिधियों के निर्देशों का पालन करने की स्थिति में हैं या नहीं. जिला कांग्रेस सेवादल के कार्यकारी अध्यक्ष विवेक खंडेलवाल ने हाल ही में महापौर द्वारा बुलाई गई बैठक का जिक्र करते हुए कहा कि अधिकारियों की गैरहाजिरी और महापौर को डेढ़ घंटे तक इंतजार कराए जाने की घटना तथाकथित इंदौर मॉडल की असल तस्वीर दिखाती है. उनका आरोप है कि निगम के एमआईसी सदस्य और पार्षद तक यह स्वीकार कर रहे हैं कि कार्यकाल के शेष डेढ़ साल में जनता के बीच जाने का नैतिक साहस नहीं बचा है, जो प्रशासनिक जवाबदेही के अभाव का संकेत है.

सड़कों की हालत बदहाल

सेवादल नेताओं का कहना है कि शहर की सड़कों की हालत बदहाल है, ड्रेनेज व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है और पहली बारिश में ही हालात बेकाबू हो जाते हैं. कई विकास योजनाएं केवल फीताकाट, बोर्ड और प्रचार तक सीमित रह गई हैं. तंज कसते हुए नेताओं ने कहा कि कुछ सड़कों को अब निर्माणाधीन नहीं बल्कि अनंतकालीन परियोजना कहा जाना चाहिए. स्पष्ट किया गया है कि यदि एक दिन के लिए जिम्मेदारी दी जाती है तो सभी निगम अधिकारियों की अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी. लंबित परियोजनाओं की वास्तविक स्थिति सार्वजनिक की जाएगी, सड़क और ड्रेनेज को प्राथमिकता में रखकर ठोस फैसले लिए जाएंगे और यह साफ किया जाएगा कि प्रशासन की गाड़ी कौन चला रहा है और ब्रेक कहां अटका हुआ है. सेवादल ने यह भी स्पष्ट किया कि यह प्रस्ताव किसी व्यक्ति विशेष पर हमला नहीं, बल्कि उस व्यवस्था पर सवाल है जिसमें जनप्रतिनिधि भी प्रतीक्षा करते नजर आते हैं और अफसर जवाबदेह नहीं होते.

एलुमनी मीट : नवोत्सव 4 में जुटेंगे देशभर के नवोदयन

▶ पांच हजार पेड़ लगाने का लेंगे संकल्प

इंदौर. इंदौर एक बार फिर इतिहास रचने के लिए तैयार है. पिछले वर्ष विश्व की सबसे बड़ी एलुमनी मीट आयोजित करने वाले जवाहर नवोदय विद्यालय के पूर्व छात्र 20 दिसंबर को फीनिक्स मॉल में नवोत्सव 4 के लिए जुटेंगे. इस बार देश-विदेश से 5,000 से अधिक पूर्व नवोदयन छात्र शामिल होने की संभावना है. कार्यक्रम में सहभागी छात्र पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए 5,000 पेड़ लगाने का संकल्प लेंगे.

इस एलुमनी मीट में सांसद, आईएएस, आईपीएस, डॉक्टर, इंजीनियर, सीए, सीएस समेत कई उद्योगपति और पेशेवर पूर्व छात्र शामिल होंगे. सभी अपनी पुरानी यादें साझा करेंगे और नवोदय के अनुभवों को फिर से जीएंगे. इस आयोजन का संचालन मध्यप्रदेश एलुमनी एसोसिएशन ऑफ नवोदय (मान) द्वारा किया जा रहा है. यह इस तरह का चौथा राष्ट्रीय आयोजन है, जिसमें जम्मू-कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी और गुजरात से लेकर उत्तर-पूर्व तक, देश के हर हिस्से से नवोदयन शामिल होंगे. मान के प्रवक्ता ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी एलुमनी मीट में समाज कल्याण से जुड़ा संकल्प लिया जाएगा. अभी तक 5,000 से अधिक छात्रों ने पंजीकरण कर लिया है, और जितने प्रतिभागी शामिल होंगे उतने ही पेड़ लगाने का संकल्प लिया जाएगा. इस भव्य आयोजन के प्रबंधन की जिम्मेदारी 250 से अधिक छात्रों को सौंपी गई है.

दो सत्रों में होगा कार्यक्रम-मान के प्रवक्ता के मुताबिक, यह 8 घंटे का कार्यक्रम दो सत्रों में आयोजित होगा. दोपहर 2 से 6 बजे तक एलुमनी आपसी मुलाकात और संवाद सत्र में हिस्सा लेंगे. शाम 6 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम शुरू होंगे, जिनमें स्टैंड-अप कॉमेडियन अपूर्व गुप्ता, स्टोरीटेलर रणमल जैन, द कबीर स्टूडियो बैंड और डीजे बनी एंड टीम अपनी प्रस्तुति देंगे.

स्कूली छात्र-छात्राओं को दिलाई बाल विवाह रोकथाम की शपथ

▶ बाल विवाह रोकथाम एवं जागरूकता कार्यशाला

इंदौर. शादी में शामिल होने से पहले वर-वधू की उम्र पता होना जरूरी है. कम उम्र में होने वाली शादी में शामिल होने से आप भी अपराधी बन सकते हैं।बच्चों का भविष्य शिक्षा पर निर्भर करता है. पहले पढ़ाई फिर विदाई को ध्यान में रखते हुए सही उम्र में ही शादी होना चाहिए.

यह बात बाल विवाह विरोधी उड़नदस्ता कोर ग्रुप प्रभारी महेंद्र पाठक ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 8 परदेशीपुरा में महिला एवं बाल विकास विभाग और बाल संरक्षण एवं बाल अधिकारो पर कार्यरत संस्था अरमान बाल अधिकार ट्रस्ट द्वारा बाल विवाह रोकथाम एवं जागरूकता कार्यशाला में कहीं. उन्होंने बालिकाओं को बाल विवाह अधिनियम 2006 की विस्तृत जानकारी देते हुए बाल विवाह किस प्रकार बच्चों के अधिकारों को

प्रभावित करता हैं इसके बारे में बताया. कार्यशाला में स्कूल की बालिकाओं और शिक्षिकाओं ने भाग लिया.

चाइल्ड हेल्पलाइन पर करें शिकायत

कार्यशाला में जिला समन्वयक चाइल्ड हेल्पलाइन फूलसिंह ने बालिकाओं को बताया कि अपने आस पास हो रहे बाल विवाह की शिकायत चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर कर सकते है वहां पर शिकायतकर्ता का नाम पूर्ण रूप से गोपनीय रखा जाता है. अंत में पाठक ने सभी को बाल विवाह रोकथाम की शपथ दिलाई. संचालन संस्था की प्रीति सिंह चौहान ने किया.